पत्रिका PLUS .16
14/06/17

केरल के चिकित्सक वेटरनरी में ले रहे प्रशिक्षण

जबलपुर • वेटरनरी यूनिवर्सिटी में वन्यजीव फॉरेंसिक एवं स्वास्थ्य विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। केरल राज्य सरकार के एनीमल हसबैंडरी विभाग द्वारा भेजे गए पशुचिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वन्यजीव की मूलभूत समस्याएं, संरक्षण, परीक्षण, स्वास्थ्य एवं फॉरेंसिक संबंधी व्याख्यान तीन दिनों में होंगे। यह व्याख्यान डॉ. एबी श्रीवास्तव, डॉ. केपी सिंह, डॉ. काजल कुमार यादव, डॉ. निधि राजपूत देंगे। केरल से डॉ. जीएस अजित कुमार, डॉ. एस नंदाकुमार, डॉ. पीआर प्रत्यूष, डॉ. स्वप्ना सुसान अब्राहम प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। शुभारंभ सत्र में कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कॉलेज डीन डॉ. एसएनएस परमार, डॉ. आरपीएस बघेल, डॉ. वायपी साहनी, कुलसचिव डॉ. जीपी पांडे उपस्थित रहे।

लाइव | नईदुनिया
जबलपुर, बुधवार 14 जून 2017

केरल के पशुचिकित्सक शहर में लेंगे प्रशिक्षण

जबलपुर। नईदुनिया रिपोर्टर

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विवि में तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि के स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक व हेल्थ में तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत की गई। वन्यप्राणियों के संरक्षण के लिए वन्यजीव फॉरेंसिक व स्वास्थ्य विषय पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल की मौजूदगी में किया गया।

कुलपति डॉ.जुयाल ने कहा कि यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए लाभकारी साबित होगा। 13 से 15 जून तक चलने वाले प्रशिक्षण में केरल राज्य सरकार के एनीमल हसबैंड्री विभाग द्वारा भेजे पशु चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें डॉ. जीएस अजित कुमार, डॉ.एस नंदाकुमार, डॉ. पीआर प्रत्युष, डॉ.स्वप्ना सुसान अब्राहिम शामिल हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत वन्यजीवों की मूलभूत समस्याओं ,संरक्षण, परीक्षण, स्वास्थ्य व उनके फॉरेंसिक संबंधी व्याख्यान डॉ. एबी श्रीवास्तव, डॉ. केपी सिंह, डॉ. काजल कुमार जादव, डॉ. निधि राजपूत व डॉ. अमोल रोकड़े द्वारा दिए जाएंगे। साथ ही डॉ. बीसी सारखेल का व्याख्यान भी रखा गया है।

इस अवसर पर अधिष्ठाता संकाया डॉ. एसएनएस परमार, अधिष्ठाता पशुचिकित्सा व पशु पालन कॉलेज डॉ. आरपीएस बघेल, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ.वायपी साहनी, विवि के कुलसचिव डॉ. जीपी पांडे, डॉ.व्ही पी चंद्रपुरिया,डॉ.ओपी श्रीवास्तव, डॉक्रुआर के शर्मा, डॉ.पीसी शुक्ला व अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जबलपुर। कार्यशाला के शुभारंभ पर उपस्थित नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि के कुलपति।

प्रदेश टुडे जबलपुर, बुधवार, 14 जून 2017

केरल के वन अफसरों ने देखी हाईटेक लैब, जानी टेक्नीक

प्रदेश टुडे संवाददाता, जबलपुर

केरल राज्य के पेलोड से वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन पर ट्रेनिंग लेने आए वन अफसरों ने दूसरे दिन के पहले सत्र में नानाजी देशमुख वेटरनरी साइंस युनिवर्सिटी के स्कूल फॉर वाइल्ड लाइफ फारेंसिंक एंड हेल्थ की हाईटेक लैब देखी। लैब देखने के बाद यहां के निदेशक डॉ. एबी श्रीवास्तव, डॉ. केपी सिंह, डॉ. अमोल रोकड़े द्वारा अलग-अलग तकनीकी सत्रों में वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन, डिसीज डायग्नोस जैसे विषयों पर महत्वपूण जानकारियां प्रदान की गईं। इसके बाद दूसरे सत्र में ये सभी ट्रेनी अफसर वीयू की जेएनके विवि आधारताल स्थित बायोटेक्नालॉजी लैब को देखने के लिए पहुंचे। यहां पर लैब के निदेशक डॉ. बीसी सरखेल ने यहां महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए वन्यजीवों के स्वास्थ्य प्रबंधन को लेकर चल रही रिसर्च के बारे में बताया।

दैनिक भास्कर, जबलपुर रविवार, 18 जून 2017

वीयू में विकसित होगी निमाडी, मालवी, साहीवाल और गिर की नस्ल, भ्रूण प्रत्यारोपण के लिए 10 करोड़ का प्रोजेक्ट

समाचार प्रतिनिधि, जबलपुर | वेटरनरी यूनिवर्सिटी में देशी गायों की नस्लों को उन्नत करने के लिए एक प्रोजेक्ट बनाया गया है। इसके अंतर्गत विवि में देशी गायों खासकर निमाडी, मालवी, साहीवाल एवं गिर नस्लों को और उन्नत किया जाएगा। इसके तहत गाय एवं भैंस के नस्लों के भ्रूण को ओपीयू-आईव्हीएफ तकनीक से संरक्षित किया जाएगा। इसके लिए विवि द्वारा 10 करोड़ की राशि से बनाए जाने वाले सेंटर का एक प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। प्रोजेक्ट को केन्द्र सरकार के पास भेजा गया है। इस प्रोजेक्ट के स्वीकृति मिलने के बाद वीयू का भ्रूण प्रत्यारोपण सेंटर देश के प्रमुख सेंटरों में शामिल हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि अभी विवि की प्रयोग शाला में कृत्रिम गर्भाधान के साथ-साथ बांझपन का इलाज, प्रयोगशाला में हिमीकृत वीर्य का उत्पादन, क्लोनिंग, इंट्रा सायटोप्लास्मिक, स्पर्म इंजेक्शन, भ्रूण का माइक्रोमेनिपुलेशन जैसी सविधाएं उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त कमिश्नर डेयरी एवं पशुपालन ने लिया जायजा

केन्द्र सरकार के अंतर्गत डेयरी एवं पशुपालन विभाग के अतिरिक्त कमिश्नर डॉ. भूषण त्यागी ने शनिवार को वेटरनरी विश्वविद्यालय में प्रोजेक्ट के लिए प्रयोगशाला एवं अधारताल स्थित डेयरी फार्म का निरीक्षण किया। उनके द्वारा प्रयोगशाला में पहुंचकर जानकारी ली गई। प्रयोग शाला में भ्रूण प्रत्यारोपण की उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया। डॉ. त्यागी द्वारा डेयरी फार्म में गायों की संख्या को भी पर्याप्त बताया गया है। उल्लेखनीय हैं वेटरनरी विवि देश के उन 15 सेंटरों में शामिल है जहां पर प्रथम चरण में भ्रूण प्रत्यारोपण सेंटर बनाए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान कुलपति डॉ. पीडी जयाल भी उपस्थित थे।